**भारत सरकार**

**श्रम और रोजगार मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या- 5980**

**सोमवार, 30 मार्च, 2026/9 चैत्र, 1948 (शक)**

## एनसीएस पोर्टल

5980. **श्री नरेश गणपत म्हस्के:**

**श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:**

**डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:**

**श्रीमती भारती पारधी:**

**श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:**

**श्री अतुल गर्ग:**

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या नेशनल करियर सर्विस (एनसीएस) पोर्टल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 3.43 करोड़ से अधिक रिक्तियों को जुटाकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है और प्रभावी रूप से देश का सबसे बड़ा डिजिटल रोजगार केंद्र बन गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या एनसीएस का स्किल इंडिया डिजिटल हब के साथ सफल एकीकरण अब नौकरी चाहने वालों के लिए 'कौशल विकास' से 'नियोजन' तक की प्रक्रिया को निर्बाध बनाता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) ग्रामीण जिलों में, विशेषकर महाराष्ट्र के गैर-शहरी युवाओं को प्रत्यक्ष परामर्श और सॉफ्ट-स्किल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए "मॉडल करियर केंद्रों" (एमसीसी) के उपयोग में हुई वृद्धि का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकारी रिक्तियों के अतिरिक्त उपलब्ध कार्य-भूमिकाओं (जॉब रोल्स) में विविधता लाने के उद्देश्य से पोर्टल पर निजी क्षेत्र के अधिक नियोक्ताओं और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को जोड़ने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) उक्त आधुनिक रोजगार अवसंरचना किस प्रकार रोजगार बाजार में 'सूचना की विषमता' (इंफॉर्मेशन एसिमेट्री) को दूर करने और टियर-2 तथा टियर-3 शहरों के युवाओं के लिए अवसरों तक पहुंच को सुलभ बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है?

**उत्तर**

**श्रम और रोजगार राज्य मंत्री**

**(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)**

(क) से (ङ): दिनांक 28.02.2026 तक, वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश भर में एनसीएस पोर्टल पर 3.66 करोड़ से अधिक रिक्तियां जुटाई गई हैं।

एनसीएस पोर्टल, स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के साथ एकीकृत है जिसे एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच के माध्यम से, रोजगार और उद्यमशीलता अवसरों हेतु व्यक्तियों की स्किलिंग, रि-स्किलिंग और अप-स्किलिंग के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन और विकसित किया गया है। एनसीएस पोर्टल को एसआईडीएच के साथ एकीकृत करने से एसआईडीएच पर रोजगार चाहने वाले कुशल व्यक्तियों के लिए एनसीएस पोर्टल का लाभ उठाने और एनसीएस के रोजगार चाहने वालों के लिए एसआईडीएच की कौशल सेवाओं का लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

एनसीएस परियोजना में, अन्य बातों के साथ-साथ, द्वितीय और तृतीय स्तर के शहरों सहित देश भर में आदर्श करियर केंद्र (एमसीसी) स्थापित करने की परिकल्पना की गई है ताकि आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से रोजगार चाहने वालों (युवाओं सहित) और नियोक्ताओं को राज्य और अन्य संस्थानों के सहयोग से ऑनलाइन/ऑफलाइन रोजगार मेलों का आयोजन, नियोक्ताओं को जुटाने, स्थानीय स्तर पर ऑनलाइन/ऑफलाइन करियर परामर्श प्रदान करने आदि जैसी करियर संबंधी सेवाएं प्रदान की जा सकें। अब तक सरकार ने देश भर में 407 आदर्श करियर केन्द्रों को अनुमोदित किया है, जिनमें से 28 आदर्श करियर केन्द्रों को महाराष्ट्र राज्य में (ग्रामीण जिलों सहित) अनुमोदित किया गया है।

इसके अलावा, एनसीएस पोर्टल पर एक मॉड्यूल अनुमोदित करियर परामर्शदाताओं द्वारा करियर परामर्श और मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान करने की सुविधा प्रदान करता है। एनसीएस पोर्टल पर दिनांक 28.02.2026 तक 1180 से अधिक करियर परामर्शदाता पंजीकृत हो चुके हैं और देशभर में (महाराष्ट्र सहित) अब तक 55 लाख से अधिक ऑनलाइन/ऑफलाइन करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जा चुके हैं।

मंत्रालय ने सभी रोजगार चाहने वालों के लिए रोजगार अवसर बढ़ाने हेतु सार्वजनिक-निजी भागीदारी को मजबूत करने के लिए निजी और सार्वजनिक नियोक्ताओं/पोर्टलों (एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल सहित)/प्लेटफार्मों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। अब तक 35 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिनमें अपना, स्विगी, रैपिडो, जोमैटो, अमेज़ॅन, टीसीएस आईओएन, क्विकर, फाउंडइट (मॉन्स्टर) आदि जैसे अन्य कई निजी भागीदारों के साथ समझौता ज्ञापन शामिल हैं जो एनसीएस पोर्टल पर उपलब्ध जॉब फेयर लिस्टिंग, कौशल विकास कार्यक्रम, करियर काउंसलिंग आदि जैसी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

एनसीएस पोर्टल के संबंध में जागरूकता और पहुंच बढ़ाने के लिए एनसीएस पोर्टल पर सेवाओं की उपलब्धता और रिक्तियों के बारे में नियमित रूप से सोशल मीडिया पोस्ट जारी किए जाते हैं। एनसीएस संबंधी नवीन विकास और गतिविधियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एनसीएस मासिक ई-न्यूज़लेटर जारी किए जाते हैं। इसके अलावा, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित आदर्श करियर केंद्र नियमित रूप से हितधारकों के लिए विभिन्न आउटरीच गतिविधियों जैसे कार्यशालाओं, जागरूकता/अभिविन्यास कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

*****